प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2015

14 फरवरी, 2015

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2015 का उद्घाटन समारोह

"भले ही सरकारें बदल जाती हैं परन्तु संस्कार, सभ्यता एवं संस्कृति नहीं बदलती। भारत एक ऐसा राष्ट्र है जिसने वसुधैव कुटुंबकम की कल्पना पूरे विश्व को दी है। इसी भावना के साथ मैं आज सिंगापुर तथा कोरिया देशों का मेले में स्वागत करती हूँ।" ये शब्द माननीया मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, **श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी** ने नई दिल्ली स्थित प्रगति मैदान के हंसध्वनि थियेटर में **नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2015** के उद्घाटन अवसर पर कहे।

उन्होंने पुस्तक मेले में पुस्तक प्रेमियों के उत्साह और जोश को देखते हुए यह कहा कि आज के इस कार्यक्रम के बाद हम रेल मंत्रालय तथा नागर विमानन मंत्रालय से आग्रह करेंगे कि एनबीटी के बुक स्टॉल राष्ट्र के सभी एयरपोर्ट तथा रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध करावाई जाए। वहाँ मात्र एनबीटी की पुस्तकें ही नहीं, बल्कि राष्ट्रभर के प्रकाशकों की तथा सभी भारतीय भाषाओं की पुस्तकें पुस्तक प्रेमियों को उपलबध करवाई जाएँ। उन्होंने यह भी कहा कि एनबीटी राष्ट्रभर से नए लेखकों को प्रोत्साहित करते हुए उनका लेखन प्रकाशित करे व आगामी विश्व पुस्तक मेले में 'न्यू राइटर्स कॉर्नर' बनाकर उनकी पुस्तकों को देशभर को समर्पित करे। श्रीमती स्मृति इरानी ने यह भी कहा कि सभी प्रादेशिक सरकारों से संपर्क कर जिला स्तर पर बुक क्लब की व्यवस्था की जाए ताकि प्रादेशिक व अन्य भारतीय भाषाओं में पुस्तकें हमारे बच्चों तक पहुँचाई जा सकें।
उन्होंने पुस्तक मेले में आए विद्यार्थियों, युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि भारत के यही नौजवान एक शोधयात्री बनकर पूरे एशिया में जाएं और भारत सरकार के प्रोत्साहन एवं सहयोग से अपने सांस्कृतिक एवं साहित्यिक जड़ों का अध्ययन करें व इनके अनुभवों को भारत सरकार प्रकाशित करेगी। उन्होंने नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में देश–विदेश से आए सभी भागीदारों का स्वागत किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रतिष्ठित लेखक, डॉ. नरेंद्र कोहली ने कहा, ''मुझे चिंता उनकी नहीं जो पुस्तकें नहीं पढ़ते हैं बल्कि उनकी है जो पुस्तकें पढ़ना चाहते हैं पर उनको पुस्तकें उपलब्ध नहीं हो पातीं।'' उन्होंने कहा कि हमें प्रसन्नता है कि एनबीटी पुस्तक मेलों, प्रदर्शनियों, पुस्तक केंद्रों के माध्यम से पुस्तक प्रेमियों तक पुस्तकें उपलब्ध करवाने का सराहनीय कार्य कर रहा है।

इससे पूर्व, एनबीटी के अध्यक्ष श्री ए. सेतुमाधवन ने माननीया मंत्री जी, उपस्थित गणमान्य अतिथियों तथा प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए अपनी प्रसन्नता व्यक्त की तथा इस वर्ष मेले में आयोजित विशेष आकर्षण के केंद्रों पर प्रकाश डाला।

''नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में अतिथि देश का सम्मान प्राप्त कर हमें गर्व का अनुभव हो रहा है।'' ये शब्द मेले में अतिथि देश सिंगापुर देश का प्रतिनिधित्व कर रहे सिंगापुर गणराज्य के माननीय उच्चायुक्त श्री लिम थुआन कुआन ने कहे। उन्होंने भारत तथा सिंगापुर के राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे होने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि मेले में विशिष्ट अतिथि देश की थीम ''वैविध्य संस्कृति, बहुविध साहित्य'' है जो सिंगापुर की संस्कृति एवं साहित्य की झलक प्रस्तुत करेगी।

इस अवसर पर फोकस देश दक्षिण कोरिया के प्रतिनिधि, भारत में कोरिया गणराज्य के राजदूत, माननीय श्री ली जून ग्यू ने कहा ''भारत एवं कोरिया अच्छे मित्र हैं परंतु हम चाहते हैं कि दोनों देश घनिष्ठ मित्र बनकर सामने आएँ।'' उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के उत्सवों में भागीदारी कर हमारे संबंध और अधिक मजबूत, विस्तृत तथा गहरे होते जा रहे हैं। श्री ली जून ग्यू ने साथ ही कहा कि कोरिया की पुस्तकें अच्छी हैं। मैं भारतीय बच्चों को आमंत्रित करता हूँ कि वे कोरिया की पुस्तकें अवश्य पढ़ें तथा कोरिया के बच्चे भी भारतीय पुस्तकें अवश्य पढ़ें ताकि हमारे सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संबंध और अधिक सुदृढ़ हो सकें।

उद्घाटन अवसर पर आईटीपीओ के मुख्य प्रबंधन निदेशक, श्री जे.एस. दीपक ने कहा ''नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, पुस्तकों को वैश्विक रूप से स्थापित करने का एक उत्तम मंच प्रदान करता है।"

इस अवसर पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सचिव श्री एस.एन. मोहंती ने कहा कि भारत के पूवोत्तर में साहित्य एवं संस्कृति का भंडार है परंतु लोगों तक उसकी पहुँच नहीं है। नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला की थीम 'सूर्योदय' के माध्यम से हम पूर्वोत्तर के जीवंत साहित्य को लोगों तक पहुँचाने का प्रयास करेंगे।

कार्यक्रम के अंत में एनबीटी के निदेशक, डॉ.एम.ए.सिंकदर ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के उद्घाटन के पश्चात् माननीया मंत्री, श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी द्वारा मेले में लगे विदेशी मंडप तथा थीम मंडप का भी उद्घाटन किया गया।

श्री उपेंद्र कुशवाहा द्वारा बाल मंडप का उद्घाटन

''बच्चों को देखकर मुझे अपना बचपन याद आ जाता है बच्चों के साथ समय व्यतीत करना मेरे लिए सबसे अच्छे क्षणों में से एक है।'' ये विचार मानव संसाधन विकास मंत्रालय के

माननीय राज्य मंत्री श्री उपेंद्र कुशवाहा ने मेले में हॉल सं. 7 में ''बाल मंडप'' के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने दिल्ली एनसीआर के विद्यालयों से आए बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रमों की प्रशंसा की तथा एनबीटी द्वारा प्रकाशित पुस्तकें 'राहुल एण्ड हिस ड्रीम बैट' तथा एस.आर. नाथन : 50 स्टोरीज़ ऑफ माय लाइफ का लोकार्पण भी किया।

आज नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में साहित्यिक हलचल

विदेशी मंडप पर नेशनल बुक डेवलपमेंट सेंटर, सिंगापुर द्वारा रोमांटिक लेखन काव्य पाठ सत्र का आयोजन किया गया जिसमें ग्वीली सूई, यंग शू हूंग, वरेना तेय व भारतीय लेखक द्वारा अपनी पुस्तक के कुछ अंशों का पठन किया गया।

टीम इंडिया के प्रसिद्ध क्रिकेटर एवं भूतपूर्व कप्तान, वीरेंद्र सहवाग आज विश्व पुस्तक मेले में आए। उन्होंने एनबीटी के थीम मंडप का अवलोकन किया तत्पश्चात उन्होंने बाल मंडप तथा सिंगापुर पेवैलियन की प्रदर्शनी को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की।

प्रगति मैदान में विशेष रूप से स्थापित लेखक मंच एवं साहित्य मंच में अनेक पुस्तकीय गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। इसके अतिरिक्त 'रिफ्लेक्शन' तथा 'कन्वर्सेशंस' के मंचों पर भी विभिन्न पुस्तकीय आयोजन हो रहे हैं।

मेले में लाल चौक एवं हंसध्वनि थिएटर में प्रतिदिन विविध सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।